



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२०२१ का मास का	२.७.२१	२	१-२

रोपण के बाद पौधे के देखभाल की लें जिम्मेदारी: प्रो.काम्बोज



हकृति में पौधरोपण करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

हिसार। पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक और्क्सीजन की पूर्ति करते हैं। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने और्क्सीजन की कमी के चलते पौधों की महता को ओर अधिक बढ़ाया है। ये विचार हकृति कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी में पौधरोपण उपरांत रखे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी शुभ अवसर जैसे शादी, जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधरोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस अवसर पर भू-दृश्य संरचना कुर्काई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश गुलाटी, कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. अमरजीत कालड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एसएस सिद्धपुरिया, वित नियंत्रक नवीन जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक, डॉ. राजेश आर्य, डॉ. जयदीप पाटिल, एसबीआई मुख्य प्रबंधक आशीष अग्रवाल, दीपक कुमार, प्रिंस अरोड़ा मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभियुक्ता	२०.७.२०२१	५	३-४

पौधरोपण के बाद देखभाल की भी लें जिम्मेदारी : प्रो. कांबोज



एचएयू में पौधरोपण करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य।

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक औँकसीजन की पूर्ति करते हैं। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने औँकसीजन की कमी के चलते पौधों की महत्ता को ओर अधिक बढ़ाया है। वे भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म कॉलोनी में पौधरोपण कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी शुभ अवसर जैसे शादी,

जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधरोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त तत्वावधान में इस अभियान के तहत जामून, गुलमोहर, अमलतास, अर्जुन, बकैण, शीशम, गुलाब, कनेर, बोगबेल, चांदनी, हारश्रृंगार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश गुलाटी, कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
अभियुक्ताला

दिनांक 20.7.2021 पृष्ठ संख्या 2 कॉलम 6.8

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार : कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेविएर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज बतौर मुख्यातिथि जबकि भारतीय कृषि

देश में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर कृषि विश्वविद्यालय में वेबिनार

अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आरसी अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्य अतिथि ने अनुसंधानकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित

करें, ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोप डाटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अंतर्गत आने वाले समस्त राज्यों में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में कार्यरत लगभग 350 शिक्षक, वैज्ञानिक, अनुसंधानकर्ता, स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं पुस्तकालय व्यवसायियों ने हिस्सा लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब मेसरी	२७.७.२०२१	३	२३

‘कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर वैबिनार आयोजित’

हिसार, १ जुलाई (पैकेस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेविएर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वैबिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आर. सी. अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्यातिथि ने देशभर के अनुसंधानकर्ताओं से आह्वान किया कि कि कि अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें।

उन्होंने कहा कि कि कि अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आर. सी. अग्रवाल ने

भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्वस्तर पर की गई शोध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की शिक्षा डिवीजन द्वारा समस्त कृषि अनुसंधान के न्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रदान किए गए सूचना स्रोतों एवं संसाधनों के बारे में अपना व्या यान दिया।

उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम के संयोजक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलबान सिंह ने बताया कि वैबिनार का उद्देश्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिदृश्य एवं उनके दृष्टिकोण से आने वाले बेहतर कल के बारे में बताना, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की कृषि रैंकिंग प्रणाली में नई तकनीकों के बारे में बताना एवं स्कोपस मैट्रिक्स का उपयोग करके कृषि अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए रणनीतियों की पहचान करना था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
अभूजाला

दिनांक २०.७.२०२१ पृष्ठ संख्या ५ कॉलम १-५

एचएयू कैंपस में 6 करोड़ की लागत से बनेगा 33 केवी का नया बिजलीघर

राजगढ़ रोड के मुख्य ट्रांसफार्मर का ओवरलोड होगा कम, 14 जुलाई तक फर्म कर सकेंगे आवेदन

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 6 करोड़ की लागत से 33केवी का नया बिजलीघर बनाया जाएगा। प्रोजेक्ट के लिए ऑनलाइन टेंडर मार्गे गए हैं। विभिन्न फर्म 14 जुलाई तक आवेदन कर सकती हैं। जैसे ही यह टेंडर फर्म को अलॉट हो जाएगा, उसे साल के अंदर प्रोजेक्ट को पूरा करना होगा।

इस बिजलीघर के बनने से राजगढ़ रोड के मुख्य ट्रांसफार्मर पर पड़ने वाले ओवरलोड को कम किया जा सकेगा। यह 33केवी का बिजलीघर विशेष तौर पर एचएयू को बिजली सप्लाई देगा साथ ही आसपास के क्षेत्रों को भी इस फाईर से जोड़ा जाएगा। ताकि राजगढ़ रोड के मुख्य ट्रांसफार्मर के लोड को कम किया जा सके। इससे लोगों को भीषण गर्मी में अव्योग्यित बिजली कटौं से राहत मिलेगी।

साथे 12 एमवीए होगी क्षमता : एचएयू में बनने वाले 33केवी के बिजलीघर की क्षमता 12 एमवीए होगी, ताकि यह एचएयू व आसपास के क्षेत्रों की बिजली सप्लाई के लोड को झेल सके। इस 33केवी बिजलीघर के लिए बिजली निगम की ओर से 9 किलोमीटर तक केबल की लाइनें बिछाई जाएंगी।

“ एचएयू में बनने वाले 33केवी बिजलीघर के लिए ऑनलाइन टेंडर मार्गे गए हैं, 14 जुलाई तक विभिन्न फर्म इस प्रोजेक्ट के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। - राजेन्द्र सभ्रवाल, एसई, डीएचबीवीएन, हिसार

22 साल में 15 से 38 लाख हुए उपभोक्ता

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। बिजली निगम को 22 साल पूरे हो चुके हैं। 1 जुलाई 1999 में शुरू हुए इस निगम में पहले तकनीकी सहित कई खामियां थीं। लेकिन वर्तमान समय में बिजली निगम ने काफी सुधार किया है। बिजली निगम में पहले विभिन्न श्रेणियों के 15.58 लाख उपभोक्ता थे, जिनका बिजली खपत का लोड 3733.23 मैगावाट था।

वर्तमान समय में 38.22 लाख उपभोक्ता हैं, जिनका अब बिजली सप्लाई का लोड 8346.02 मैगावाट है। बिजली निगम ने 33 केवी स्तर के पहले 290 नए सब-स्टेशनों का निर्माण किया लेकिन अब बढ़कर 406 हो गई है। साथ ही 33 केवी स्तर के 272 सब-स्टेशनों की क्षमता में बढ़ोतरी भी की है, जिससे प्रणाली में 5416.90 एमवीए क्षमता की बढ़ोतरी हुई। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की स्थापना के समय वार्षिक टर्न ओवर लगभग 940.39 करोड़ रुपये था, जो कि वर्तमान में लगभग 16102.14 करोड़ रुपये है। निगम पहले जो घटे में चल रहा था, अब निरंतर पिछले पांच वर्षों से लाभ की स्थिति में है। निगम की शुरूआत में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के तहत आने वाले क्षेत्रों के लिए लगभग 6488.22 लाख यूनिट प्रतिमाह उपलब्ध थी, जो वर्तमान में बढ़कर प्रतिमाह 23764.60 लाख हो गई है। वर्ष 2001-2002 में ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन (टीएंडडी)

बिजली निगम ने 290 सब स्टेशन बनाए

नए कनेक्शन के लिए करें ऑनलाइन आवेदन
दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा नए कनेक्शन जारी करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया गया है। आवेदक निगम की वेबसाइट www.dhbvn.org.in पर नए कनेक्शन, लोड बढ़वाने, लोड घटवाने जैसी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। मिस कॉल सुविधा की सेवा के तहत उपभोक्ता अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से 7082102200 नंबर पर मिस कॉल दे कर एसएमएस के माध्यम से तुरंत अपना बिजली बिल प्राप्त कर सकता है।

लॉसिस 33.86 प्रतिशत और एग्रीगेट टेक्नीकल एंड कमर्शियल (एटी एंड सी) लॉसिस 39.07 प्रतिशत थे। लेकिन अब बिजली निगम ने वर्तमान में टीएंडडी लॉसिज 14.87 प्रतिशत और एटीएंडसी लॉसिज 13.63 प्रतिशत आ गए हैं। साथ ही घरेलू उपभोक्ताओं को लगभग 8 घंटे बिजली आपूर्ति मिलती थी, जबकि वर्तमान में 2272 गांवों को 24 घंटे और 1377 गांवों को 16 घंटे बिजली आपूर्ति दी जा रही है। साथ ही इन बीते 22 सालों में बिजली निगम ने उपभोक्ताओं के लिए कई ऑनलाइन सेवाएं भी शुरू की हैं। उपभोक्ताओं की बिजली संबंधित शिकायतों को दर्ज करवाने के लिए टोल फ्री नम्बर 1912 व 1800-180-4334 जारी किए गए हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक
२०७२०२१

पृष्ठ संख्या

१-३

एचएयू के वीसी ने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार पर दिया जोर
कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार पर वेबिनार

भास्कर न्यूज़ . हिसार

एचएयू के नेहरू पुस्तकालय एवं
एल्सेविएर के संयुक्त तत्वावधान में भारत
में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता
में सुधार विषय पर एक दिवसीय बेबिनार
का आयोजन किया गया। इसमें एचएयू
के वीसी प्रो. बीआर कम्बोज बतौर
मुख्यालिथि और भारतीय कृषि अनुसंधान
परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक
डॉ. आरसी अग्रवाल मुख्य वक्ता के तौर
पर शामिल हए।

मुख्यातिथि ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आङ्गन किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कौटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। मुख्य वक्ता ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में बताया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली की शिक्षा डिवीजन

द्वारा समस्त कृषि अनुसन्धान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रदान किए गए सूचना स्रोतों एवं संसाधनों के बारे में व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जार दिया जाना चाहिए। विशिष्ट वक्ता भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक डॉ. जी.वेंकटेस्वर्लू, एल्सेविएर के विजय रेण्टी, फरहा सिद्धिकी, डॉ. शुभ्रा दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन एग्रीकल्चर के माध्यम से एल्सेविएर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सामयिक पत्रिकाओं के बारे में बताया। इस कार्यक्रम के संयोजक एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का समन्वयन नेहरु पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेरिया एवं सह-समन्वयन सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों डॉ. सीमा परमार व डॉ. भानु प्रताप ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग	01.07.2021	--	--

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण एक जुलाई से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए
ऑनलाइन माध्यम से बाग स्थापित करने की
जानकारी को

लेकर तीन
दिवसीय
प्रशिक्षण
कार्यक्रम
आयोजित



किया जाएगा। प्रशिक्षण का आयोजन सायना
नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण
संस्थान द्वारा किया जाएगा। संस्थान के सह-
निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने
बताया कि इस प्रशिक्षण में बाग स्थापित करने
के दौरान बरती जाने वाली विभिन्न सावधानियों
को लेकर किसानों को जागरूक किया जाएगा।
इसमें भाग लेने के इच्छुक किसान प्रशिक्षण
संयोजक डॉ. सुरेन्द्र सिंह के मोबाइल नंबर
94166-07750 पर संपर्क कर सकते हैं। इस
प्रशिक्षण में बाग लगाने से पहले बेहतर उत्पादन
हासिल करने के लिए मिट्टी व पानी की जांच,
मिट्टी के नमुने लेने का सही तरीका, बाग का
रेखांकन, गढ़दें खोदना, उनको भरना, खाद
डालना, किस्मों का चुनाव सहित विभिन्न
महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएंगी। इस प्रशिक्षण में
प्रदेश भर से पहले आओ पहले पाओ के आधार
पर 30 प्रतिभागियों को शामिल किया जाएगा।



चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	01.07.2021	--	--

भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवता में सुधार विषय पर वेबिनार आयोजित

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वस्तरीय पत्रिकाओं में हो प्रकाशित : प्रो. कामोज

四百四十一



अनुसंधान की योजना में हाँ प्रमाणित करने वाले अधिकारी द्वारा उपलब्ध कर सकते हैं।

परं पूर्वम् विषय के लेख में वार्ताएः अन्य अनुसारानुसारानुसारा एवं संस्कृते वार्ता वार्ता के विषय द्वारा है।

प्रतिकृति का विवरण देते हुए उन्होंने कहा-
कांडी बृक्ष नदीमें एवं गंगा नदीमें विभिन्न
प्रकार की अवस्थाएँ होती हैं। ऐसी वातावरण में
कांडी बृक्ष की अवस्था यह होती है कि इसकी
पौधारों की लम्बाई लगभग ३०० सेमी. तक
आ जाती है। इसकी शाखाएँ अत्यधिक
अनुष्ठानपूर्ण होती हैं। इसकी शाखाएँ एवं
पौधारों की लम्बाई लगभग ३०० सेमी. तक



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

हैलो हिसार

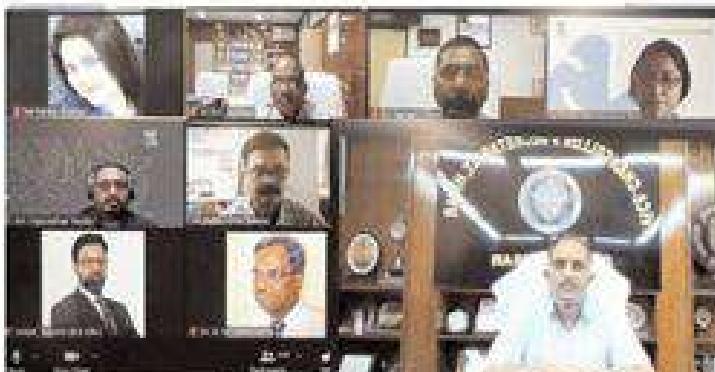
दिनांक पृष्ठ संख्या

02.07.2021 --

कॉलम

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वस्तरीय पत्रिकाओं में हो प्रकाशित : प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज

हिमार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एन्सेभिएर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय बैठिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज द्वारा यूरोपियन विज्ञानिय जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आर. सी. अग्रवाल पूर्ण बक्स के रूप में शामिल हुए। मुख्यालिंग ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से अल्पवान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनकी विश्वस्तरीय उच्च कॉटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनके प्रकाशन



उनकी संस्था एवं देश का नाम रोकान हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों में अधीस की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/शोधपत्रों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकोटि के मार्गिक पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन

उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों। इससे वे अपनी संस्था की भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली एवं अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली रैंकिंग को बढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं।

अनुसंधान की गुणवत्ता में हो सुधार : डॉ. आर. सी. अग्रवाल भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं

भारत में कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा गुणवत्ता में सुधार विषय पर बैठिनार आयोजित

कार्यक्रम के मुख्य बक्स डॉ. आर. सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में विस्लारपूर्वक बताया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली की जिक्षा डिवीजन द्वारा समझ कृषि अनुसंधान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रदान किये गए सूचना स्तरों एवं संसाधनों के बारे में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

डैलो डिसार

दिनांक

02.07.2021

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

भारतीय स्टेट बैंक के 66वें बैंक दिवस पर किया पौधारोपण

हिसार : 1 जुलाई को भारतीय स्टेट बैंक ने अपना 66वां बैंक दिवस मनाया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, हिसार की ओर से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पौधारोपण किया गया। बैंक की ओर से क्षेत्रीय प्रबन्धक दिनेश गुलाटी ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व चौधरी



चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के उपकुलपति बलदेव राज कम्बोज का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों को उपस्थिति में पौधारोपण करके पर्यावरण को स्वच्छ बनाने हेतु जागरूकता का संदेश दिया। बैंक की ओर से इस अवसर पर 2000 पौधों रोपण किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के बीसी बलदेव राज कम्बोज ने प्राकृतिक संसाधनों के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि समाज में जहां बढ़ती आबादी के बीच प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कई गुण बढ़ गया है, वही हमारा भी करतव्य है कि हम इन संसाधनों की कीमत समझते हुए इनके संरक्षण को महत्व दें। एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबन्धक दिनेश गुलाटी ने बताया कि आज महामारी के इस दौर में हमें पौधों की अहमियत को समझते हुए ज्यादा से ज्यादा पेढ़ लगाकर आने वाली पौधियों के लिए पर्यावरण को सहेजने में अपना योगदान देना चाहिए।



चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

ज्योति दर्पण फरीदाबाद

दिनांक

02.07.2021

पृष्ठ संख्या

कॉलम

--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वरत्तरीय पत्रिकाओं में हों प्रकाशित-प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार। चौधारी चरण मिहे द्वारा जारी विश्वविद्यालय के नेटवर्क पुस्तकालय एवं प्रश्नोत्तर के समूक तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसन्धान परिदृश्य की गुणवत्ता में सधा विषय पर एक विश्वीय वैबनार का आव्याप्त किया गय। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कृषकीय प्रोफेसर ने आर. काम्बोज बताएँ युवराजी जवाहिर भारतीय कृषि अनुसन्धान परिदृश्य, नई दिल्ली के उप-महानगरीयक डॉ. आर. बी. काम्बोज मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। युवराजी ने देशपान के अनुसन्धानकर्ताओं से अझान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वरत्तरीय प्रकाशित करें ताकि उनकी सधा एवं देश का नाम रोलें जाए। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसन्धान से प्रदान किया गया

का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिपाणीयों से अधिक की दिवाने सम्बन्धीय डैटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/प्रोफेसरों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकार्ड के सामाजिक प्रकाशितों के बचान के लिए एवं ताकि उनके प्रकाशन उच्चरतरीय प्रकाशित हो। इससे वे अपनी सधा की भारतीय कृषि अनुसन्धान परिदृश्य, नई दिल्ली एवं अन्य सम्बन्धीय द्वारा प्रदान की जाने वाली रैंकिंग को बढ़ाने में सहायता कर सकते हैं।

अनुसन्धान की गुणवत्ता में ही सुधार - डॉ. आर.बी. काम्बोज भारतीय कृषि अनुसन्धान परिदृश्य, नई दिल्ली के उप-महानगरीयक एवं कार्यक्रम के प्रबुद्ध वक्ता डॉ. आर. बी. काम्बोज ने भारतीय कृषि विज्ञानों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी खोजों के लिए विश्वविद्यालय का

उत्तर लाइब्रेरी भी दिया। उन्होंने बताया कि एस्प्रेक्टर अनुसन्धान विभाग की विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता की सुधारने के लिए प्रदान किये गए मुख्य स्वीकृति एवं सम्बन्धीय के बारे में अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिये जाना चाहिए। विश्वविद्यालय कृषि अनुसन्धान परिदृश्य, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक डॉ. जी. केंटेन्डन, एस्प्रेक्टर के बिज्ञप्ति रूप, फलस रिपोर्ट्स, डॉ. शुभा दत्ता ने प्रतिपाणीयों को कम्मीटीय पर ई-ग्रिडमें इन एकोकन्वर के माध्यम से एस्प्रेक्टर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे विज्ञानिक सामग्रियों प्रकाशितों के बारे में विस्तृत रूप में बताया। आर.बी. काम्बोज ने उपरोक्त विज्ञानिक सामग्रियों के बारे में विस्तृत रूप में बताया।

डॉ. कृष्णसाह का प्रकाशक है जोकि इस स्कॉलरशिप में विश्व में प्रकाशित होने वाली उच्च स्तर के सामग्रिक प्रकाशनों को दृष्टिकोण से देखता है। इस



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

सिटी पल्स

01.07.2021

--

--

भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस पर एचएयू में किया पौधारोपण



हिसार। कुलपति और श्री आर. कार्यालय परमांकितों ने पौधारोपण करते हुए।

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. डॉ. आर. कार्यालय ने कहा कि पौधे जीवन का आशार हैं और जीवन के लिए आवश्यक अविद्योजन की ज़रूरि करते हैं। वौनवा समय में कोरोना महामारी ने अविद्योजन की कमी के चलते पौधों की याता को और अधिक बढ़ाया है। ये विवार कुलपति ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के पार्श्व सौन्दर्यों में पौधारोपण उपसंह रखे। उन्होंने कहा कि प्रायोक लक्षितों को हिसी न किसी शुभ अवसर ऐसे

शारीर, जन्मदिन, स्थापना दिवस अवसर पर पौधारोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस अधियान के तहत जग्गन, गुलमोहर, अमलतारा, अरुन, बको, गोलम, गुलब, कनेर, बोगबेल, छांदनी, हासरबुगर, महित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएं।

भारतीय स्टेट बैंक के शेज़ीय प्रबंधक दिनेश गुलाटी ने अवसर कि बैंक के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया है और भविष्य में इस अधियान के तहत विश्वविद्यालय में

विभिन्न स्थानों पर ही लगार पौधे सोचित किये जाएं। कार्यालय में कुलपति के भोगपाली डॉ. अमृत दीपक, कुलसंचिव डॉ. वज्रवीर सिंह, डॉ. देवेंद्र निंह दीप्या, डॉ. एम. के. यहरावत, डॉ. विमला दांडा, डॉ. अमरजीत कलाल, डॉ. एस. एस. सिद्धुरिया, नवीन जैन, डॉ. गृहित मलिक, डॉ. शबेख आर्य, डॉ. जयदीप चट्टिल, भारतीय स्टेट बैंक की ओर से मुख्य प्रबंधक आशीष अश्वाल, दीपक कुमार, दिम अमेठी सहित विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	01.07.2021	--	--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वस्तरीय पत्रिकाओं में हो प्रकाशित : कुलपति प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आव्हान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वस्तरीय उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/शोधपत्रों को प्रकाशित

करने के लिए उच्चकोटि के सामयिक पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो। भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आर. सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् की शिक्षा डिवीजन द्वारा समस्त कृषि अनुसन्धान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रदान किये गए सूचना स्रोतों एवं संसाधनों के बारे में अपना व्याख्यान दिया।

पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि पूर्व में भी नेहरू पुस्तकालय द्वारा स्कोपस डेटाबेस की

5 ट्रेनिंग आयोजित की जा चुकी हैं। वेबिनार का उद्देश्य भारतीय कृषि अनुसन्धान परिदृश्य एवं उनके दृष्टिकोण से आने वाले बेहतर कल के बारे में बताना, परिषद् की कृषि रैंकिंग प्रणाली में नई तकनीकों के बारे में बताना एवं स्कोपस मैट्रिक्स का उपयोग करके कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए रणनीतियों की पहचान करना था। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के अंतर्गत आने वाले समस्त राज्यों में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में कार्यरत लगभग 350 शिक्षक, वैज्ञानिक, अनुसंधानकर्ता, स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं पुस्तकालय व्यवसायियों ने हिस्सा लिया।



चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

पल पल न्यूज

दिनांक पृष्ठ संख्या

01.07.2021

कॉलम

--

--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वस्तरीय पत्रिकाओं में हो प्रकाशितः प्रो.काम्बोज

पल पल न्यूजः हिसार, 1 जुलाई। चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेटवर्क प्रशिक्षण संचालन समिति के सदूषक संचालनमें भाग में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार दिए थे एक विश्वस्तरीय वैज्ञानिक का उल्लेजन किया गया। स्वाधीनमें विश्वविद्यालय के कृषिपत्रि प्रोफेसर और डॉ. काम्बोज कठोर सुलझाईये जबकि भागीय कृषि अनुसंधान परिदृश्य, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक ने आर और अकृषक सुल्ख वक्ता के रूप में उल्लिखित हुए। सुलझाईये ने देशभर के अनुसंधानकारों और में उल्लेजन किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनके विश्वस्तरीय उल्लंघनों की परिमात्रा में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्कार एवं देश का नाम रोशन हो। उल्लेजन कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्टेटेसम लेटारेस का उल्लेजन अपेक्षा से अधिक करें। उल्लेजन प्रतिवार्षियों से अपेक्षा की हि के स्टेटेसम लेटारेस का ठारीय अपने प्रकाशनों/सौचार्यों को प्रकाशित करने के लिए उल्लेजों के समर्थक परिवर्तनों के चरण के लिए करें ताकि उनके इकाईन उल्लंघनीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो। इसमें वे अपनी संस्कार की भागीय कृषि अनुसंधान परिदृश्य, नई दिल्ली एवं अन्य संस्कारों द्वारा प्रदान की जानी रेकिंग को बढ़ाने में सहायता कर सकते हैं। भागीय कृषि अनुसंधान परिदृश्य, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ने आर से अप्रकाशन में भागीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी योग्य के लिए एवं विश्वासपूर्वक वक्तव्य। उल्लेजन भागीय कृषि अनुसंधान परिदृश्य, नई दिल्ली की शिक्षा हिस्सोंवन द्वारा समाज कृषि अनुसंधान के लिए एवं विश्वविद्यालयों में योग्य की गुणवत्ता की सुधारने के लिए इटान किये गए सूचना स्रोतों एवं संसाधनों के बारे में अपना व्याख्यान दिया। उल्लेजन कहा कि भाग में कृषि अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार की अवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। विश्व वक्ता भागीय कृषि अनुसंधान परिदृश्य, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक ने भी योक्तारवत्ती, एसोसिएटर के विजय रेही, वक्ता विजिटसी, ने युधा दशा ने प्रतिभावितों को काम्पोडिटरम फौरं है-रिसोंसेज इन एडोकल्चर के योग्य में एसोसिएट के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सार्वजनिक पत्रिकाओं के बारे में विश्ववृत्त काम से बताया। इसके साथ ही स्कोपस लेटारेस के काम लक्ष्य लेये थे दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
समस्त हरियाणा न्यूज़

दिनांक पृष्ठ संख्या
01.07.2021 --

कॉलम
--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार : प्रो. काम्बोज

भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर वेबिनार आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय एवं एल्सेविएर के संयुक्त तत्वावधान में भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डी.आर. काम्बोज वर्तीर मुख्यालियि जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। विशिष्ट वक्ता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक डॉ. जी.वेंकटेश्वर्लू, एल्सेविएर के विजय रेडी, फरहा सिद्धिकी, डॉ. शुभा दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन एप्लीकल्चर के माध्यम से एल्सेविएर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सामग्रिक पत्रिकाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया।



उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अपने प्रकाशनों/शोधपत्रों को प्रकाशित करने के लिए उच्चकोटि के सामग्रिक पत्रिकाओं के नवन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों। इससे वे अपनी संस्था की भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली रैंकिंग को



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पुष्ट संख्या

कॉलम

समस्त हरियाणा न्यूज़

01.07.2021

--

पौधे जीवन का आधार, पौधारोपण के बाद देखभाल की लें जिम्मेदारी : वीसी



हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज़)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वी.आर. कांवोज ने कहा कि पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक अविस्थारन की पूरी तरह है। मीजूदा समाज में कोरोना महामारी ने अविस्थारन की कमी के चलते पौधों की महत्व को और अधिक बढ़ाया है। वे विचार कुलपति ने भारतीय स्टेट वैक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फरम कौलोनी में पौधारोपण उपर्यात रखे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी भूमि अवसर जैसे जादी, जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधारोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे सभाओं के माध्य-माध्य उमड़ी इलाजाम छरता चहुत जल्दी है। प्रोफेसर वी.आर. कांवोज ने कहा कि वैज्ञानिक मत्र पर फिली कोरोना महामारी ने अविस्थारन की आवश्यकता के चलते दिल्ला दिल्ला है कि जीवन में पौधों की किसी आवश्यकता है। भू-दूषण सर्ववन्ध इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिमार में भारतीय स्टेट वैक के संयुक्त गवायामान में इस अधिकारियों के लड्ठत जामून, गुलमोहर, अमलताम, अनुन, चक्रम, सीलम, गुलाब, कनेर, खोगरेन, चाँटनी, हारबूगर महिल विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। भारतीय स्टेट वैक के क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश गुलमोहर ने बताया कि वैक के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिमार में पौधारोपण किया गया है और भविष्य में इस अधिकारियों के लड्ठत विश्वविद्यालय में विभिन्न जातियों पर हो हजार पौधे लगायें दिए जाएंगे। कार्यक्रम में कुलपति के लोगों द्वारा अनुल दीगड़, कुलमधिव द्वारा गर्जवीर शिंह, लाल राजवाल विटेशक द्वारा शिंह दीहर, अनुसंधान विटेशक द्वारा एम.के. महरश्वत, अधिकृत द्वारा विमला दीगड़, डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. एस.एस. मिद्दपुरिया, नवीन जैन, डॉ. प्रीति मलिक, डॉ. रमेश आर्य, डॉ. चयनीष पाटिल, भारतीय स्टेट वैक को और मेरुद व्रद्धक आशोष अग्रवाल, दीपक कुमार, शिंम जगेश आदि पौजूद हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

नम छोर

दिनांक पृष्ठ संख्या

01.07.2021

कॉलम

--

अनुसन्धानकर्ता प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार: कुलपति

हिसार/01 ड्राइविंग

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरु पुस्तकालय एवं एन्सेविएर के संयुक्त अध्यायकान में भारत में कृषि अनुसन्धान परिषद् जॉर्ज गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक दिवसीय बैठकेनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ आर काम्बोज बताएँ मुख्यालिय व्यक्तिकृषि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के डॉ-प्रानिटेशक डॉ. आरसी अग्रवाल नुअम बहाना के रूप में शामिल हुए। मुख्यालिय ने देशभर के अनुसन्धानकर्ताओं से आवान किया कि वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में सुधार करें और उनको विश्वविद्यालय उच्च छोटि की परिकल्पनों में प्रकाशित करें ताकि उनको संस्कार एवं देश का नाम रोजान हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसन्धान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से अधिक करें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे स्कोपस डेटाबेस में विषय में प्रकाशित होने वाली उच्च स्तर के सामग्रिक पत्रिकाओं के चयन के

लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चस्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों। इसमें वे अपनी संख्या की भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली एवं अन्य संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली ईकिंग को बढ़ाने में सहयोग कर सकते हैं। मुख्य व्यक्ति डॉ. आरसी अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी शोध के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया जाना चाहिए। विशिष्ट व्यक्ति परिषद् के सहायक डॉ. जी चैक्टेस्टर्स, एन्सेविएर के विषय रेहडॉ, फरहा मिठिको, डॉ. हुआ दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन एंजीकल्चर के माध्यम से एन्सेविएर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सामग्रिक पत्रिकाओं के बारे में बताया। इसके साथ ही स्कोपस डेटाबेस के उपर लाइब्रेरी में नई तकनीकों के बारे में बताना एवं स्कोपस मेट्रिक्स का उपयोग करके कृषि अनुसन्धान की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए उपनीतियों की पहचान करना था। कार्यक्रम का समन्वयन नेहरु पुस्तकालय के डॉ. राजीव कुमार पटेलिया एवं सह-समन्वयन सहायक पुस्तकालयक्ष्मी हुई सीमा परभार व डॉ. भानु प्रताप ने किया।

सहायक



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम एचआर डेकिंग न्यूज

दिनांक पृष्ठ संख्या

कॉलम

01.07.2021

10

**पौधे जीवन का आधार, पौधाटोपण के बाद देखभाल
की लें जिम्मेदारी : प्रोफेसर बी.आर. काठ्डोज**

Digitized by srujanika@gmail.com

हिन्दूराज। चौथी तारीख मिस्र हमीनाम और विश्वविद्यालय के तुम्हारी चौकेसर और अर्जुनकेत में बता कि कोई जीवन का धर्मान्तर है और जीवन के सिर अंति अन्तराल के अवधीन ही नहीं करते हैं। यीकृत वस्त्र ये बदलाव प्राप्तमही व्याप्रसादीन नहीं करते क्योंकि वे व्याप्रसादीन की कर्त्ता के बातों पर्याप्त नहीं बताता कि उन्हें अप्राप्त बनाता है।

ये विद्यारथ सूतराजी ने पालटीन स्टेट विह के स्थापन विषय के अवसर पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थीद्वारा दे दी गई श्रद्धालु शपथ शब्द। उन्होंने कहा कि प्रशंसन विभिन्न की विद्या व विद्यार्थी द्वारा दी गयी शुभ अवसर देने वाले, अवृद्धि, स्थापन विषय में एवं दी गई श्रद्धालु विद्यार्थी और विद्या के समान-संवर्धन की विश्वविद्यालय देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्या स्थान के सम्बन्ध-सम्बन्ध उनकी उत्तमता विद्यार्थी का बहुत ज्ञानी है। विद्यार्थी में शुद्धता के लिये वे हम अवृद्धि का उत्तमता वाली चाहिए। सुनेप्रभार वै उत्तम विद्यार्थी ने इस विद्यालय का एवं विद्यार्थी का विद्यार्थी ने अवृद्धिका के समान विद्या



मिस्रोंमें वाली जाति अपेक्षा ही यह जाति उसके अन्दर से बाहर निकल जाती है।

लगाप जाएंगे दो हजार पौधे : दिनेश गलाटी

यहाँ है कि उत्तरवाद में लोकों की विवाहीका वार्ताएँ प्राचीन की सुधार की अपेक्षाकों के सम्बन्ध में जल्द जल्द आयी हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कल्यानि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

कॉलम

नम छोर

01.07.2021

--

--

एसबीआई स्थापना दिवस पर हकूमि फार्म में किया पौधारोपण

हिमांशु जुलाहू/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कल्यानि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए अति आवश्यक अविसीजन की पूर्ति करते हैं। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने अविसीजन की कठोरी के चलते पौधों की महत्व को और अधिक बढ़ाया है। ये विचार कुलपति ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म इलालोनी में अर्जुन का पौधा लगाने के उपरोक्त रखे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी रुभ अवसर ऐसे शादी, जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधारोपण करना चाहिए और पौधे के पालन-पोषण की विद्यारी सेवी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना चहूत जरूरी है। खासतौर से सुरक्षात के दिनों में हमें अत्यधिक देखभाल करनी चाहिए। प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि वैदिक सार पर फैली कोरोना महामारी ने अविसीजन की आवश्यकता के चलते दिखा दिया है कि जीवन में पौधों की कितनी

आवश्यकता है। पौधे पर्यावरण को हरा-भरा करके घरती की शोभा को आभूषणी के रूप में चार चांद लगाते हैं। इसलिए हम सभी को इसे अपना नैतिक फल्ज मानते हुए प्रत्येक लोग ज्ञाहिए कि हम प्रति वर्ष अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी उचित देखभाल करें। पौधे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करते हैं। भू-दूषण सरंचना इकट्ठे के अस्वास डाँ, पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय स्टेट बैंक के संशुद्ध करनावधान में इस अभियान के तहत आमुन, गुलमोहर, अमलतास, अर्जुन, बैंकिंग, झीशम, गुलाब, कनेर, बोगवेल, चांदनी, हारझुगार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक दिवेश गुलाटी ने बताया कि बैंक के स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया है और भविष्य में इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर दो हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक को और मेरुद्धि प्रबंधक आशीष अग्रवाल, दीपक कुमार, प्रियंका आरोद्धा आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

मारत देश छ मात्र

दिनांक पृष्ठ संख्या

01.07.2021

फॉलम

10 / 10

एचएयू में बाग लगाने को
लेकर प्रशिक्षण एक जुलाई से

मात्र नहीं बल्कि विद्युत का उपयोग भी जल संग्रह के लिए अत्यधिक जरूरी है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

अजीत समाचार

दिनांक

02.07.2021

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार : प्रो. काम्बोज



ऑफलाइन वैमीकार में शामिल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दी.आर. काम्बोज व अब्दु

हिसार, 1 जुलाई (गाजुकुमार) : वे अपने प्रकाशनों की गुणवत्ता में मुद्धार करें और उसको विभासारीय उल्लंघनों की पत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी संस्था एवं देश का नाम रोशन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्कोपस डेटाबेस का उपयोग अधिक से

'भारत में कृषि अनुसंधान परिदृश्य की गुणवत्ता में सुधार' विषय पर वैदीनार आयोजित

आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दी.आर. काम्बोज बतीर मुख्यालिख अधिक भारतीय कृषि अनुसंधान परिदृश्य, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने मुद्धार करता कहा कि वे अपने प्रकाशनों/सोशलों

को उपयोग अपने प्रकाशनों/सोशलों को प्रकाशित करने के लिए उल्लंघनों के सामर्थ्य पत्रिकाओं के चयन के लिए करें ताकि उनके प्रकाशन उच्चासारीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हों।

अनुसंधान की गुणवत्ता में हो सुधार : डॉ. आर.सी. अग्रवाल : भारतीय कृषि अनुसंधान परिदृश्य, नई

दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने भारतीय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विश्व स्तर पर की गयी कार्य के बारे में विसारपूर्वक बताया। विशिष्ट वक्ता भारतीय कृषि अनुसंधान परिदृश्य, नई दिल्ली के सहायक उप-निदेशक डॉ. जी.वेंकटेश्वरन्, एल्सेक्यर के विजय रेडी, फरहा मिदिली, डॉ. शुभा दत्ता ने प्रतिभागियों को कंसोर्टियम फॉर ई-रिसोर्सेज इन प्रौद्योगिकीय के माध्यम से ऐल्सेक्यर के द्वारा प्रकाशित किये जा रहे वैज्ञानिक सम्बन्धिक पत्रिकाओं के बारे में विस्तृत रूप से बताया। इस कार्यक्रम के मंयोजक एवं पुस्तकालयालय डॉ. बलवाल मिहेन ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि पूर्व में भी नेहरू पुस्तकालय द्वारा स्कोपस डेटाबेस की 5 ट्रेनिंग अध्येक्षित की जा चुकी है।

कार्यक्रम का समन्वयन नेहरू पुस्तकालय के डॉ. राजेश कुमार पटेरिय एवं सह-समन्वयन सहायक पुस्तकालयालयों डॉ. सीमा परमहर व डॉ. भानु प्रताप ने किया। इस बेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिदृश्य के अंतर्गत आने वाले समास्त गुज़रों में स्थापित कृषि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में कार्यरत लगभग 350 शिक्षक, वैज्ञानिक, अनुसंधानकर्ता, छात्रकोर विद्यार्थी एवं पुस्तकालय व्यवस्थायों ने हिस्सा लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

अजीत समाचार

दिनांक

02.07.2021

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

पौधारोपण के बाद देखभाल की तैयारी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 1 जुलाई (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पौधे जीवन का आधार हैं और जीवन के लिए अंतिम आवश्यक अविष्योजन की पूर्ति करते हैं। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने अविष्योजन को फँसाया के बल्कि पौधों की महता को ओर अधिक बढ़ाया है। ये विचार कुलपति ने भारतीय स्टेट बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म कालोनी में पौधारोपण उपरांत रखे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी शुभ अवसर ऐसे साधे, जन्मदिन, स्थापना दिवस आदि पर पौधारोपण करना चाहिए और पौधे के प्रसन्न-प्रौष्ठण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना चहुत जरूरी है। शास्त्रीय सूख-जल के दिनों में हमें अन्यायिक देखभाल करनी चाहिए। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिक स्तर पर यैसी कोरोना महामारी ने अविष्योजन की आवश्यकता के बल्कि दिखा दिया है कि जीवन में पौधों की कितनी आवश्यकता है। पौधे पर्यावरण को हवा-भरा करके धरती की सौभाग्य को आपूरण के रूप में चाह चांद



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रार्थ कालोनी में पौधारोपण करते हुए।

लगाते हैं। भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त तत्वावधान में इस

कार्यक्रम में कुलपति के ओर सदी डॉ. अनुल दीगड़ा, कुलसंचिच डॉ. राजवीर सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. महराजा, अधिकारी डॉ. चिमला लाला, डॉ. अमरजीत काला, मानव संसाधन प्रबंधन विद्यालय के निदेशक डॉ. एस.एस. रिद्धपुरिया, विद्या विवेकनन्द जैन, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ग्रीति मलिक, डॉ. राजेश आर्य, डॉ. जगदीप पाटिल, भारतीय स्टेट बैंक की ओर से मुख्य प्रबंधक आशीष अग्रवाल, दीपक कुमार, प्रिंस अंगूष्ठा सहित विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

एस.बी.आई. के स्थापना दिवस पर पौधारोपण किया

अधिकारी के तहत जामून, गुलबोहर, अमलताल, अर्दुन, बौकेण, लोशाम, गुलाब, कनेर, बोगबेल, चांटनी, हारझंगार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने अभियान को शुरू-जाने अर्जुन का पौधा लगाकर अधिक से अधिक पौधारोपण करने का संदेश दिया।



चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
एचआर ब्रेकिंग

दिनांक 02.07.2021 पृष्ठ संख्या --

फॉलम --

प्रकाशनों की गुणवत्ता में करें सुधार ताकि विश्वस्तरीय प्रत्रिकाओं में हों प्रकाशित : प्रोफेसर वी.आर.काम्बोज

एचआर ब्रेकिंग न्यूज़

हिसार। चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के द्वारा पुस्तकालय एवं एकाडमीसे है संस्कृत तत्त्वज्ञान में भूमि में कृषि अनुसंधान प्रैस्ट्राय की गुणवत्ता में सुधार विषय पर एक विश्वसीप बैठक आयोजित हुई।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय संचालक वी.आर.काम्बोज बैठकी कृषि अनुसंधान प्रैस्ट्राय की गुणवत्ता में सुधार करें और इनकी विश्वस्तरीयता में उत्तराधिकारी के द्वारा विश्वस्तरीय प्रत्रिकाओं में प्रकाशित करें ताकि उनकी सेवाएँ देख कर नाम रोहन हो। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुसंधान में स्वीकृत दृष्टिकोण का उपर्युक्त अधिकारी हों। उन्होंने प्रैस्ट्रायोंसे से अर्थात् वी.आर.काम्बोज द्वारा दृष्टिकोण का उपर्युक्त अपने प्रकाशनों/प्रोग्रामों को प्रकाशित करने के लिए उचितहेतु के सामर्पण प्रैस्ट्रायों के चाहने के लिए करो ताहो।



विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के कृष्णपति प्रैस्ट्रेजर वी.आर.काम्बोज एवं अन्य।

उनके प्रश्नालय उच्चालयीय प्रैस्ट्रायों में प्रकाशित हो। इससे ये अपनी संस्कृत की भावीता कृषि अनुसंधान प्रैस्ट्राय, वी.आर.काम्बोज एवं उच्चालयीय प्रैस्ट्राय की अपने काली लिंक को बढ़ाने में सहायता हो।

अनुसंधान की गुणवत्ता में हो सुधार : वी.आर.काम्बोज अध्यक्ष : वार्तात्र द्वारा अनुसंधान प्रैस्ट्राय, वी.आर.काम्बोज के उच्चालयीय प्रैस्ट्राय के संस्कृत वाक्यों वी.आर.काम्बोज ने प्रैस्ट्राय कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विषय लघु करो तो वी.आर.काम्बोज के चाहने में विश्वस्तरीय।

वी.आर.काम्बोज : एक विश्वविद्यालय के लोकोन्नति का प्रमुखालय है। विश्वविद्यालय की गुणवत्ता का बदल आते होने का बाबा कि यहाँ में वी.आर.काम्बोज द्वारा विषय लघु करो तो वी.आर.काम्बोज की गुणवत्ता है।

विश्वविद्यालय का उच्चालयीय प्रैस्ट्राय द्वारा वी.आर.काम्बोज की गुणवत्ता है। विश्वविद्यालय का उच्चालयीय प्रैस्ट्राय द्वारा वी.आर.काम्बोज की गुणवत्ता है। विश्वविद्यालय का उच्चालयीय प्रैस्ट्राय द्वारा वी.आर.काम्बोज की गुणवत्ता है। विश्वविद्यालय का उच्चालयीय प्रैस्ट्राय द्वारा वी.आर.काम्बोज की गुणवत्ता है। विश्वविद्यालय का उच्चालयीय प्रैस्ट्राय द्वारा वी.आर.काम्बोज की गुणवत्ता है। विश्वविद्यालय का उच्चालयीय प्रैस्ट्राय द्वारा वी.आर.काम्बोज की गुणवत्ता है।

वी.आर.काम्बोज, वी.आर.काम्बोज ने वी.आर.काम्बोज की गुणवत्ता है। विश्वविद्यालय के वी.आर.काम्बोज की गुणवत्ता है। विश्वविद्यालय के वी.आर.काम्बोज की गुणवत्ता है। विश्वविद्यालय के वी.आर.काम्बोज की गुणवत्ता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ज्योति दर्पण	01.07.2021	--	--

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बहाले के लिए एकत्रित, ऑलाइन इडी-यूए-अफ्गानिस्तान

प्रभावी विद्युतीय संवाद	प्रभावी विद्युतीय संवाद	प्रभावी विद्युतीय संवाद
प्रभावी विद्युतीय संवाद	प्रभावी विद्युतीय संवाद	प्रभावी विद्युतीय संवाद
प्रभावी विद्युतीय संवाद	प्रभावी विद्युतीय संवाद	प्रभावी विद्युतीय संवाद
प्रभावी विद्युतीय संवाद	प्रभावी विद्युतीय संवाद	प्रभावी विद्युतीय संवाद
प्रभावी विद्युतीय संवाद	प्रभावी विद्युतीय संवाद	प्रभावी विद्युतीय संवाद





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ज्योति दर्पण	01.07.2021	--	--

एचएयू में बाग लगाने को लेकर प्रशिक्षण एक जुलाई से

हिसार/हासी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए औन्लाइन माध्यम से बाग रखायित करने की जानकारी को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का आयोजन संवादन नेटवर्क द्वारा प्रशिक्षणीय प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानद्वारा किया जाएगा। संस्थान के रह-प्रशिक्षक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि इस प्रशिक्षण में बाग रखायित करने के दौरान बासी जाने वाली विभिन्न सब्जाओं को लेकर किसानों को जानकारी किया जाएगा। इसमें भाग लेने के उद्योग किसान प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेन्द्र सिंह के मोबाइल नंबर 94166-07750 पर रायके कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण में बाग लगाने से पहले बेहतर उत्पादन हासिल करने के लिए मिट्टी व पानी की जड़, मिट्टी के नमुने लेने का रही तरीका, बाग का रखाकरन, गड्ढे खोदना, उनको भरना, खाद डालना, फिरमो का बुनाव सहित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। इस प्रशिक्षण में प्रदेश भर से पहले आओ आओ के आधार पर 30 प्रतिभागियों को शामिल किया जाएगा।

